continued their supplies. One section of the mine owners, however, continues to insist on further increase being granted and they discontinued supplies during March. However, that has not affected either supplies for exports or supplies for the steel mills, who have made some direct purchases also. The Minerals and Metals Trading Corporation and the public sector steel mills are in touch with the trade so as to ensure continuance of supplies.

Manufacture of Cars

3772. **Shri N. R. Laskar:**
Shri Liladhar Kotoki:
Shri R. Barua:

Will the Minister of **Industry** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the steel manufactured at Rourkela Steel Plant can be utilised in the manufacture of cars; and

(b) if so, how much foreign exchange is likely to be saved thereby?

The Minister of Industry (Shri D. Sanjivayya): (a) Some of the categories of steel produced by the Rourkela Steel Plant are already being used in the manufacture of cars. Use of body panel sheets and similar items are being progressively developed.

(b) The value of supply during the current year, from Rourkela Steel Plant to the automobile industry will be of the order of Rs. 2 crores.

Railway Staff

3773. **Shri Yudhvir Singh:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the number of stations, Railway-wise, where Station Masters and Assistant Station Masters, C.B.Cs., C.P.Cs., or C.G.Cs. are in one and the same scale;

(b) the number of stations, Railway-wise, where S.Ms. perform train passing duties and their subordinates such as C.G.Cs., C.P.C., C.B.C., or H.T.C. are purely supervisory staff; and

(c) the number of stations Railway and Division-wise where S.M. is in lower scale than his C.G.C., C.P.C., C.B.C., or H.T.C., and its impact on the working of the Railways?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha in due course.

Heavy Electricals Ltd., Bhopal

3774. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of **Industry** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1387 on the 26th November, 1965 and state:

(a) whether the police investigation regarding the engineer of the Heavy Electricals (India) Ltd., Bhopal who was killed as a result of being struck by a sledge-hammer has been completed; and

(b) if so, the result thereof?

The Minister of Industry (Shri D. Sanjivayya): (a) Yes, Sir.

(b) On the 22nd November 1965, the Police filed a charge-sheet in the District and Sessions Court, Bhopal again a 'B' Grade Artisan of the Heavy Electricals (India) Limited. The accused was acquitted by the Court on the 28th January, 1966.

रेलवे विभागों में हिन्दी प्राशु-लिपिक

3775. **श्री राजदेव सिंह:** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे के उन कार्यालयों में जहां पर 60 प्रतिशत प्रथवा उस से प्रधिक कर्मचारी हिन्दी जानने वाले हैं, हिन्दी प्राशु लिपिकों की नियुक्ति करने का सरकार का विचार है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) प्रौर (ख). सरकार

की नीति के अनुसार रेल कार्यालयों में इस समय जो स्टेनोग्राफर काम कर रहे हैं, उन्हें हिन्दी स्टेनोग्राफी में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, और आवश्यकतानुसार उन से हिन्दी स्टेनोग्राफी का काम लिया जायेगा। इस समय हिन्दी स्टेनोग्राफर का एक पद रेल मंत्रालय में और दो पद उत्तर रेलवे में हैं।

हिन्दी टंकन तथा हिन्दी आशुलिपि का प्रशिक्षण

3776. **श्री राजदेव सिंह** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जहां कहीं गृह मंत्रालय द्वारा हिन्दी, हिन्दी टंकन तथा हिन्दी आशु-लिपि सिखाने की व्यवस्था नहीं है, क्या वहां के रेलवे कार्यालयों में विभागीय स्तर पर, इन सब विषयों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है ; और

(ख) यदि नहीं, तो राष्ट्रपति के आदेशों में निर्धारित अवधि के भीतर इस कार्य को कैसे पूरा किया जायेगा ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). ऐसे अनेक स्थानों पर, जहां गृह मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण की सुविधा नहीं दी गयी है, हिन्दी पढ़ाने के लिए विभागीय व्यवस्था की गयी है। इस के अलावा, पश्चिम रेलवे पर अजमेर मे हिन्दी टाइपराइटिंग और हिन्दी शार्टहैंड में प्रशिक्षण के लिए तथा कोटा, जयपुर और बड़ौदा में हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षण के लिए विभागीय कक्षाएं खोली गयी हैं। कुछ अन्य स्थानों पर, रेलवे और डाक तार विभाग के कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से इस तरह की प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के सवाल पर भी विचार किया जा रहा है।

क्षेत्रीय रेलवे में पदाधिकारी

3777. **श्री राजदेव सिंह:** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे में कुल कितने (i) मिद्रिक पदाधिकारी (ii) दक्षता पदाधिकारी (iii) आपातकालीन पदाधिकारी तथा (iv) हिन्दी पदाधिकारी नियुक्त हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (i) 11 (ii) 14 (iii) 8 (iv) कोई नहीं।

नोट—सामान्यत: हिन्दी अनुभाग का काम अन्य अधिकारियों को उनकी ड्यूटी के एक अंग के रूप में सौंपा जाता है।

कोटा जंक्शन पर विस्फोट

3778. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री बड़े :
श्री युद्धवीर सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनवरी, 1966 में कोटा जंक्शन पर दो रेलवे कर्मचारी घायल हो गये थे जब कि बड़ौदा जाने वाली एक सवारी गाड़ी कोटा जंक्शन से चलकर एक फाटक के पुल के ऊपर से जा रही थी और फाटक के पुल के नीचे एक विस्फोटक पदार्थ फटा था ; और

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना का ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). जनवरी, 1966 में ऐसा कोई विस्फोट नहीं हुआ। लेकिन 12-3-66 को कोटा स्टेशन के प्लेटफार्म नं 2 पर पटाखे के फटने की एक घटना हुई थी, जिस में दो रेल कर्मचारियों को मामूली चोटें आयीं। उन कर्मचारियों का